खबर संक्षेप

जंगल में फांसी के फंदे पर मिला शव

शहडोल। स्वास्थ्य सुविधाओं का ढिंढोरा पीटने वाले प्रशासन और 'स्मार्ट' दावों के मुंह पर देवलोंद के चंडी माता जंगल से एक सनसनीखेज तमाचा पड़ा है। पेट दर्द की भयंकर बीमारी और लाचारी से तंग आकर 18 वर्षीय मासूम अनुराधा सिंह आखिरकार जिंदगी की जंग हार गई और महुआ के पेड़ पर फांसी का फंदा चुन लिया। लगभग पांच दिन तक पेड़ से लटकते शव की स्थिति यह बता रही है कि हमारी व्यवस्था एक तड़पती बेटी को न तो बेहतर इलाज और न ही जीने की उम्मीद दे सकी।
25 जुलाई को दर्ज गुमशुदगी के बाद जब पुलिस और परिजनों ने खोजबीन शुरू की, तो घर से महज एक किलोमीटर दूर जंगल में अनुराधा की लाश फंदे से झूलती मिली। परिजनों के मुताबिक, लंबे समय से पेट दर्द की बीमारी के चलते कई जगह इलाज कराने के बाद भी राहत न मिलने पर वह भारी मानसिक तनाव में थी।
देवलोंद पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और बीमारी को आत्महत्या की वजह मान रही है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि आखिर ग्रामीण इलाकों में लचर स्वास्थ्य सेवाएं कब तक मासूमों को यूं फांसी के फंदे तक धकेलती रहेंगी? क्या पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद कागजी खानापूर्ति ही इस त्रासदी का अंतिम सच बनकर रह जाएगी।

गुरु पूर्णिमा पर फलदार और फूलों के पौधों का रोपण

शहडोल। पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर 29 जुलाई बुधवार को स्वैच्छिकता पर्व अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गांधी चौक शहडोल परिसर मे हरियाली की नई सौगात का साक्षी बना। वृक्ष लगाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान के तहत फलदार एवं फूलों के पौधों का रोपण कर प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया गया।कार्यक्रम की शुरुआत जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पांडे ने आँवला और गुडहल का पौधा रोपकर की। उन्होंने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण को संतुलित नहीं रखते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य की नींव भी तैयार करते हैं। उन्होंने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल का संकल्प लेने का आह्वान किया। आयुष्मान आरोग्य मंदिर परिसर में लगाए गए पौधों ने न केवल हरियाली का संदेश दिया, बल्कि उपस्थित लोगों को यह भी प्रेरित किया कि प्रत्येक व्यक्ति यदि अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी जिम्मेदारी निभाए, तो पर्यावरण संरक्षण का सपना साकार हो सकता है।

ऊटेरों ने व्यापारी से 80 हजार का बैग किया पार

शहडोल। राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर बदमाशों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि अब वे दिन के उजाले में पुलिस की गश्त और चौकसी का सरेआम मखौल उड़ा रहे हैं। सोहागपुर थाना क्षेत्र के धुरवार टोल प्लाजा के पास बाइक सवार नकाबपोश लुटेरों ने एक तंबाकू व्यापारी को निशाना बनाते हुए करीब 80 हजार रुपये नकदी से भरा बैग उड़ा लिया। हाइवे पर सरेराह हुई इस फ्रास्ट एंड फ्यूरियस स्टाइल लूट ने पुलिसिया सुरक्षा व्यवस्था की हवा निकाल कर रख दी है।सोहागपुर वार्ड क्रमांक-3 निवासी तंबाकू व्यापारी अंसार अली जब बुढार क्षेत्र से अपने खून-पसीने की कमाई समेटकर (व्यापारिक वसूली) बाइक से घर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। गले में टंगे 80 हजार रुपये से भरे बैग पर घात लगाए बैठे बाइक सवार लुटेरों ने ऐसी फुर्ती दिखाई कि व्यापारी जब तक कुछ समझ पाते, शातिर बदमाश रुपयों का बैग झपटकर नौ-दो-ग्यारह हो चुके थे। सबसे बड़ा मजाक तो यह है कि यह सनसनीखेज वारदात धुरवार टोल प्लाजा के ठीक पास हुई, जहां हर वक्त सुरक्षा और कैमरों की नौटंकी चलती है। वारदात के बाद हमेशा की तरह पुलिस ने पारंपरिक 'सीसीटीवी फुटेज' खंगालने का घिसा-पिटा राग अलापना शुरू कर दिया है।

ट्रांसफार्मर से कट मारकर जल रही घरों की ट्यूबलाइट, सो रहा महकमा

'नल-जल' पर डाका या बिजली विभाग की अंधेरगर्दी?

शहडोल। मध्य प्रदेश सरकार की नल-जल योजना आम जनता की प्यास बुझाने के लिए बनी थी, लेकिन जयसिंहनगर के ग्राम पंचायत आमडीह में इस योजना को कुछ रसूखदारों और मनचलों ने 'मुफ्त बिजली योजना' समझ लिया है, नल-जल योजना के सुचारू संचालन के लिए लगाए गए विशेष ट्रांसफार्मर पर डाका डालकर धड़ल्ले से अवैध कनेक्शन बांटे जा रहे हैं, और संबंधित विभाग कुंभकर्णी नींद में सोकर इस तमाशे का मजा ले रहा है।

नल-जल का ट्रांसफार्मर बना 'फ्री-फॉर ऑल' जंक्शन!

ग्राम पंचायत आमडीह के वार्ड क्रमांक-7 का नजारा देखकर तो यही लगता है कि यहाँ कानून और नियम नाम की कोई चीज बची ही नहीं है। कुछ खुराफाती तत्वों ने विद्युत आपूर्ति की मुख्य लाइन (मेन लाइन) के तारों को काटकर सीधे नल-जल योजना के विशेष ट्रांसफार्मर में घुसेड़ दिया है। अब सरकारी पानी की मोटर चले न चले, लेकिन इन साहबजादों के घरों में पंखे, टीवी और ट्यूबलाइट चौबीसों घंटे टनाटन जल रहे हैं, यह कटमार कटियाबाजी का खेल कोई दो-चार दिन से नहीं, बल्कि हफ्तों से सरेआम खेला जा रहा है।

प्यास से तड़पेगा गांव, पर कटियाबाजों को क्या परवाह?

ग्रामीणों की चिंता जायज और जायज से ज्यादा गंभीर है। नल-जल योजना के लिए स्थापित ट्रांसफार्मर की एक निश्चित लोड क्षमता होती है, जिसका एकमात्र मकसद गांव के हर घर तक पानी पहुंचाना है, लेकिन जब उस पर पूरे मोहल्ले के अवैध घरेलू लोड का बोझ लाद दिया जाएगा, तो ट्रांसफार्मर का फुंकना तय है। सवाल यह है कि जब ट्रांसफार्मर धू-धू कर जल जाएगा और नल से पानी आना बंद हो जाएगा, तब क्या ये कटियाबाज गांव भर के प्यासे लोगों को अपने नल से पानी पिलाएंगे?

राजस्व को लाखों का चूना

बिजली विभाग के अधिकारी हर महीने आम शरीफ़ बिजली उपभोक्ताओं के घर पर मोटा बिल भेजने में तो बड़ी फुर्ती दिखाते हैं, लेकिन जहां आंखों के सामने दिन-दहाड़े सरकारी बिजली की डकैती हो रही है, वहां साहब लोगों के चश्मे का नंबर धुंधला पड़ जाता है। इस खुलेआम कटियाबाजी से जहां एक ओर सरकार को राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है, वहीं दूसरी ओर कभी भी कोई बड़ा शॉर्ट सर्किट या जानलेवा हादसा हो सकता है।

क्या कलेक्टर साहब की चाबुक से टूटेगी सुस्ती

आमडीह के जागरूक ग्रामीणों ने अब साफ कर दिया है कि वे इस ढर्रे को और बर्दाश्त करने के मूड में नहीं हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और बिजली विभाग के आला अधिकारियों से मांग की है कि इस अवैध कनेक्शन नेटवर्क की तत्काल मौके पर जांच कर दोषियों पर एफआईआर दर्ज की जाए और उनके अवैध कनेक्शन काटे जाएं। अब देखना यह है कि बिजली विभाग के निकम्मे तंत्र की नींद कब टूटती है, क्या वे वक्त रहते कटियाबाजों पर शिकंजा कसेंगे या फिर ट्रांसफार्मर जलने और गांव में हाहाकार मचने के बाद ही अपनी रस्म-अदायगी पूरी करेंगे?

बाहरी वाहनों से परिवहन पर ट्रक ऑनर एसोसिएशन की आपत्ति

किराया दरें बढ़ाने और कार्रवाई की मांग

शहडोल। जिले में परिवहन व्यवस्था को लेकर ट्रक ऑनर एसोसिएशन और ठेकेदारों के बीच विवाद गहराता नजर आ रहा है। शहडोल ट्रक ऑनर एसोसिएशन ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर आरोप लगाया है कि स्थानीय ट्रक मालिकों की अनदेखी कर अन्य जिलों एवं राज्यों में पंजीकृत वाहनों से रैक प्वाइंट का परिवहन कराया जा रहा है। एसोसिएशन का कहना है कि इससे न केवल स्थानीय ट्रक मालिकों को आर्थिक नुकसान हो रहा है, बल्कि मोटर वाहन नियमों का भी उल्लंघन किया जा रहा है।
ज्ञापन में बताया गया है कि एसोसिएशन पिछले लगभग 40 वर्षों से शाहडोल जिले में रैक प्वाइंट से गल्ला, सीमेंट एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं के परिवहन का कार्य कर रही है। एसोसिएशन के अनुसार वर्ष 2020 में जो परिवहन दरें तय की गई थीं, उन्हीं दरों पर अब तक कार्य किया जा रहा है। इस बीच डीजल, टायर, वाहन रखरखाव, टैक्स एवं अन्य खर्चों में लगातार वृद्धि हुई है, जिससे पुरानी दरों पर परिवहन करना आर्थिक रूप से संभव नहीं रह गया है। इसी कारण एसोसिएशन ने भाड़ा दरों में 30 प्रतिशत वृद्धि की मांग की है।
एसोसिएशन का आरोप है कि किराया दरों में वृद्धि को लेकर सहमति नहीं बनने पर कुछ ठेकेदारों द्वारा बाहरी जिलों एवं अन्य राज्यों के पंजीकृत वाहनों को लगाकर परिवहन कराया जा रहा है।

इससे स्थानीय ट्रांसपोर्टरों और वाहन मालिकों के रोजगार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि इस प्रकार का परिवहन केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 तथा राष्ट्रीय परमिट की शर्तों के विपरीत है, जिसकी जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए।
ट्रक ऑनर एसोसिएशन ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि जब तक भाड़ा दरों को लेकर उचित समाधान नहीं निकलता, तब तक बाहरी वाहनों से परिवहन कार्य पर रोक लगाने और स्थानीय वाहन मालिकों के हितों की रक्षा सुनिश्चित की जाए। एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि मांग पूरी नहीं होने तक परिवहन कार्य में असहयोग अथवा हड़ताल जैसी स्थिति बनी रह सकती है। ज्ञापन की प्रतिलिपि पुलिस महानिरीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं यातायात प्रभारी को भी भेजी गई है।

'सवारियों' का ओवरलोड या हादसों का न्योता!

जयसिंहनगर। जयसिंहनगर में छात्र-छात्राओं की जिंदगी के साथ सरेआम खिलवाड़ हो रहा है और जिम्मेदार अधिकारी दफ्तरों के ठंडे कमरों में आराम फरमा रहे हैं। रीवा रोड हो या जनकपुर रोड, हर तरफ ऑटो चालकों की बेखौफ मनमानी का खेल जारी है। चंद रुपयों के लालच में ऑटो चालक बच्चों की जिंदगी को दांव पर लगा रहे हैं और मासूम विद्यार्थी जान हथेली पर रखकर ऑटो के पीछे लटकने को मजबूर हैं। सवाल यह उठता है कि क्या यातायात पुलिस और परिवहन विभाग किसी बड़े नरसंहार का इंतजार कर रहे हैं?

3 सीट के ऑटो में ठूंसे जा रहे 15 बच्चे

नगर और आसपास के ग्रामीण इलाकों से विद्यालय-महाविद्यालय आने वाले बच्चों के लिए सुरक्षित सफर अब सपना बनकर रह गया है। 3 से 4 सवारियों की पासिंग वाले ऑटो में 12 से 15 छात्र-छात्राओं को भेड़-बकरियों की तरह ठूंसा जा रहा है। जब अंदर जगह खत्म हो जाती है, तो बच्चों को पीछे के लोहे के पायदान पर लटका दिया जाता है या हुड (छत) पर बैठा दिया जाता है। तेज रफ्तार से दौड़ते वाहनों के बीच अगर किसी बच्चे का हाथ छूटा या पैर फिसला, तो सीधे मौत से सामना होना तय है। मगर इन लालची चालकों की ज़मीर शायद पूरी तरह मर चुकी है।

ट्रैफिक पुलिस की चुप्पी पर उठे सवाल

सडक़ों पर सरेआम यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, लेकिन चौराहे पर खड़े जिम्मेदार खाकीधारी इस भयानक मंजर को देखकर भी अनजान बने रहते हैं। क्या पुलिस को सडक़ों पर दौड़ते ये मौत के ऑटो नजर नहीं आते या फिर महीने की 'सुविधा शुल्क' की चादर तानकर आंखें मूंद ली गई हैं? तस्वीरों में साफ़ दिख रहा है कि किस तरह मासूम बच्चे खतरे के साए में सफर कर रहे हैं, लेकिन कार्रवाई के नाम पर प्रशासन का चालानी

दस्ता सिर्फ कागजी घोड़े दौड़ा रहा है।

हादसा हुआ तो अधिकारी होंगे जिम्मेदार

स्थानीय नागरिकों और चिंतित अभिभावकों का सब्र अब जवाब दे रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि वे हर दिन अपने कलेजे के टुकड़ों को खौफ के साए में स्कूल भेजते हैं। कई बार ऑटो चालकों को समझाने की कोशिश की गई, लेकिन दबंगई के बल पर वे बदतमीजी पर उतर आते हैं। अब पानी सिर से ऊपर जा चुका है।

क्या किसी मासूम की बलि का इंतजार है

जयसिंहनगर की जनता का सीधा सवाल है कि प्रशासन की नींद कब खुलेगी? क्या पुलिस और परिवहन विभाग केवल तब जागेंगे जब कोई मासूम अपनी जान गंवा देगा? नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले ऐसे बेखौफ ऑटो चालकों पर तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए, उनके परमिट रद्द किए जाएं और वाहनों को जब्त किया जाए। अगर जल्द ही कोई ठोस और सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो जनाक्रोश सडक़ों पर उतरने को मजबूर होगा।

एमएलबी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में मनाया गया गुरू पूर्णिमा पर्व

शहडोल। आषाढ़ माह के पूर्णमाशी को गुरू पूर्णिमा मनाई जाती है। गुरू के छः स्वरूप बताए गए है जो प्रेरणा दे, सही दिशा का संकेत दे, ज्ञान का उपदेश करें, उचित मार्ग दिखाएं, शिक्षा प्रदान करें और सत्य का बोध कराकर आत्मविकास का मार्ग प्रशस्त करें। यह उपदेश शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शहडोल में गुरू पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में संत श्री बालब्रम्हचारी भागवत दास जी महाराज ने दिए। जिला शिक्षा अधिकारी अतुल चौधरी ने कहा कि गुरू ज्ञान के साथ ही अपने शिष्यों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर उन्हें सुविचार और सुसंस्कारो से सुषिक्षित करते है। उन्होंने विद्यार्थियो से कहा कि अपने गुरूजनों के आदर्शों को मनाते हुए अपने जीवन को संबल बनाएं। उन्होंने कहा कि गुरू केवल ज्ञान नहीं देते वे जीवन को नई दिशा भी देते है। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सिंहा ने कहा कि संस्कार आशीर्वाद और मार्गदर्शन से व्यक्तित्व का निर्माण होता है तथा सफलता का मार्ग प्रशस्त होता है। इस अवसर पर उन्होंने गुरू पूर्णिमा के अवसर पर शिक्षको एवं विद्यार्थियो को बधाई दी तथा कहा कि गुरूजनो के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता एवं सम्मान व्यक्त करने का यह अवसर है। उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लें। इस अवसर पर प्राचार्य साधना जैन, शिक्षिका श्रीमती अरूणिमा सिंह सहित अन्य शिक्षक, शिक्षिकाए एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

12-12 घंटे की बधुआ मजदूरी और दिया जा रहा घटिया खाना

शहडोल। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के बड़े साहब शहडोल पधारे तो स्वागत-सत्कार के तामझाम के बीच रेलवे की जमीनी हकीकत का बदरंग चेहरा भी सामने आ गया। 'वर्ल्ड क्लास रेलवे' के वादों और कागजी दावों के बीच मजदूर संघ ने अफसरों के सामने समस्याओं का ऐसा पुलिंदा रख दिया, जिसने रेलवे तंत्र की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।
रनिंग कर्मचारियों से नियम-कायदों को ताक पर रखकर 12-12 घंटे तक लगातार काम कराया जा रहा है। सवाल यह है कि क्या रेलवे बोर्ड के 9 घंटे में साइन-ऑफ के नियम सिर्फ फाइलों की शोभा बढ़ाने के लिए बने हैं? थके-हारे कर्मचारी जब रनिंग रूम पहुंचते हैं, तो वहां उन्हें जो भोजन परोसा जाता है, उसकी गुणवत्ता पर भी मजदूर संघ को आवाज उठानी पड़ रही है। जब ट्रैक पर दौड़ती ट्रेनों के चालकों और स्टाफ का ही यह हाल है, तो यात्रियों की सुरक्षा भगवान भरोसे ही मानी जाएगी।
हास्यास्पद स्थिति यह है कि जिन वॉक-टॉक के भरोसे ट्रेनों का सुरक्षित संचालन होता है, वे खुद 'बीमार' और खटारा हो चुके हैं। मजदूर संघ के प्रतिनिधि डीआरएम साहब को सीधे वॉक-टॉक रूम में ले गए ताकि वे अपनी आंखों से इस नाकामी को देख सकें। इतना ही नहीं, रेलवे कॉलोनी में जगह-जगह कचरे का ढेर लगा है और सेप्टिक टैंकों की सालों से सफाई तक नहीं हुई है। रेलवे वाणिज्य विभाग में कर्मचारियों के लिए अदद शौचालय तक की व्यवस्था नहीं है, जो प्रशासन की घोर संवेदनहीनता को दर्शाता है।
शहडोल का रेलवे नॉर्थ ईस्ट इंस्टीट्यूट ध्वस्त होकर अप्रयोज्य हो चुका है, जिससे वर्षों पुरानी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की भागवत कथा और बंगाली समिति की दुर्गा पूजा जैसे सांस्कृतिक आयोजनों पर संकट मंडरा रहा है। स्पाउस ग्राउंड (पति-पत्नी आधार) पर स्थानांतरण के मामलों को दबाकर रखा गया

है और कर्मचारी वर्षों से रिलीव होने का इंतजार कर रहे हैं। शहडोल अस्पताल में फार्मासिस्ट तक की कमी बनी हुई है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मजदूर संघ के बिलासपुर मंडल सचिव प्रोम्पी कुमार सिंह और स्थानीय पदाधिकारियों द्वारा सौंपे गए इस 14 सूत्रीय ज्ञापन ने यह साबित कर दिया है कि अफसर चाहे जितने दावे कर लें, जमीनी स्तर पर कर्मचारी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। अब देखना यह है कि बिलासपुर मंडल के आला अफसर इन गंभीर समस्याओं पर कोई ठोस कदम उठाते हैं या फिर हर बार की तरह ज्ञापन भी फाइलों के ढेर में दफन होकर रह जाएगा।

जंगल चौकी में महिला को पीटा, चौकी प्रभारी का रसूख के आगे समर्पण

शहडोल। कानून का राज कायम करने का दावा करने वाली पुलिस का असली चेहरा देखना हो, तो झींकबिजुरी पुलिस चौकी चले आइए। यहां एक असहाय महिला चौकी के भीतर लाठी खाकर न्याय की भीख मांग रही है और खाकीधारी रसूखदारों के इशारे पर उंगलियां नचा रहे हैं। मामला 19 जुलाई 2026 की रात 9 बजे का है। तेंदूटोला रमना कन्हेर निवासी मानमती सिंह अपने पति देवीदीन सिंह (जो जंगल चौकी नाका में पहरेदार हैं) के साथ चौकी में मौजूद थीं। साथ में दो अन्य पहरेदार मोतीलाल बैगा और मंगल बैगा खाना खा रहे थे। तभी कुरेला निवासी आरोपी राजेन्द्र सिंह उर्फ छोटा अचानक आ धमका और गालियां देने लगा। जब महिला ने गालियों का विरोध किया, तो आरोपी ने बिना दया दिखाए उसके बाएं पैर पर लाठी से ताबड़तोड़ वार कर दिया। महिला लहूलुहान होकर गिर पड़ी, जिसके बाद अन्य पहरेदारों ने दौड़कर आरोपी को पकड़ा और लाठी छीनी।घटना के अगले दिन जब पीड़ित महिला अपने पति के साथ शिकायत दर्ज कराने झींकबिजुरी चौकी पहुंची, तो चौकी प्रभारी ने अजब नाटक रचा। साधारण लिखापढ़ी की गई और महिला को चिकित्सीय परीक्षण के लिए जैतपुर ले जाया गया, लेकिन जब प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने की बारी आई, तो पुलिसिया तंत्र का कलेजा कांप गया। महिला का आरोप है कि आरोपी क्षेत्र के प्रभावशाली व्यक्ति लवकेश गुप्ता का करीबी है। लवकेश गुप्ता के दबाव और प्रभाव में आकर झींकबिजुरी चौकी प्रभारी ने आरोपी पर कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की। उल्टे पूरे मामले को दबाने और दबाने का काम किया जा रहा है।पैर में गंभीर चोट के कारण चलने-फिरने में असमर्थ पीड़िता अपने पति के साथ लाचार होकर जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची है। उसने पुनः चिकित्सीय परीक्षण कराकर दोषी राजेन्द्र सिंह के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने और झींकबिजुरी चौकी प्रभारी की पक्षपातपूर्ण भूमिका की जांच की मांग की है। अब देखना यह है कि पुलिस अधीक्षक अपनी पुलिस को जगाते हैं या रसूखदार के आगे कानून यूं ही घुटने टेके रहेगा।

आधी रात थाने से निकले जब्त ट्रैक्टर, फिर दोबारा पकडने की कहानी पर उठे सवाल

शहडोल। जिले में अवैध रेत खनन के खिलाफ कार्रवाई के बीच ब्यौहारी से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था और आधिकारिक दावों पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर स्थानीय सूत्रों का दावा है कि पुलिस द्वारा जब्त कर थाना परिसर में खड़े किए गए दो रेत से भरे ट्रैक्टर आधी रात थाने से ही निकाल लिए गए, वहीं पुलिस का कहना है कि ट्रैक्टर थाना परिसर से नहीं, बल्कि थाने लाते समय रास्ते में भागे थे और पीछा कर उन्हें दोबारा पकड़ लिया गया। सूत्रों के अनुसार, बीती रात करीब 10 बजे ब्यौहारी पुलिस ने ग्राम बराछ क्षेत्र से अवैध रेत परिवहन करते हुए पिंटू पांडे और डिम्पल पटेल के दो अलग-अलग ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त कर थाना परिसर में खड़ा कराया था। इनमें एक स्वराज और दूसरा महिंद्रा कंपनी का ट्रैक्टर बताया जा रहा है। सूत्रों का यह भी दावा है कि पूरे नेटवर्क में रेत कारोबार से जुड़े सिब्बू उर्फ शिवम गर्ग की भूमिका सामने आ रही है।
बताया जाता है कि देर रात करीब 12 बजे से 2:30 बजे के बीच ट्रैक्टर मालिक और उनके सहयोगी कथित रूप से थाना परिसर से ही दोनों ट्रैक्टर निकालकर फरार हो गए। सुबह जब पुलिस ने जब्त वाहन नहीं देखे तो थाना परिसर के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। इसके बाद पुलिस ने तलाश शुरू की और दोपहर बाद दोनों ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को पुनः जब्त कर लिया। इस दौरान पांच लोगों को हिरासत में लेने की भी जानकारी सामने आई है, हालांकि उनकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। वहीं, पुलिस का आधिकारिक पक्ष इससे अलग है। पुलिस के अनुसार, अवैध रेत खनन की सूचना पर कार्रवाई के दौरान दोनों ट्रैक्टर मौके से पकड़े गए थे। जब उन्हें थाना लाया जा रहा था, तभी रास्ते में चालक ट्रैक्टर लेकर भाग निकले। पुलिस टीम ने तत्काल पीछा कर दोनों वाहनों को दोबारा पकड़ लिया और खनिज अधिनियम व रेत चोरी के प्रकरण में कार्रवाई की। पूरे घटनाक्रम ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि ट्रैक्टर वास्तव में थाना परिसर से निकले, तो सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न उठते हैं। वहीं यदि वे रास्ते में भागे थे, तो दोनों संस्करणों में इतना बड़ा अंतर क्यों है? अब सभी की निगाहें पुलिस की विस्तृत जांच, सीसीटीवी फुटेज और आधिकारिक तथ्यों पर टिकी हैं, जिससे पूरे घटनाक्रम की वास्तविक तस्वीर सामने आ सके।

खबर संक्षेप

स्टैडिंग कमेटी की बैठक आज

उमरिया। नगरीय निकायों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का अंतिम प्रकाशन 30 जुलाई को किया जाएगा। इस संबंध में स्टैडिंग कमेटी की बैठक 30 जुलाई को दोपहर 12 बजे से कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में आयोजित की गई है। बैठक में समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के पदाधिकारियो से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

सामान्य सभा एवं सामान्य प्रशासन समिति की बैठक आज

उमरिया। जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति एवं सामान्य सभा की बैठक 30 जुलाई को अपरान्ह 1 बजे से जिला पंचायत के सभाकक्ष मे आयोजित की गई है। बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

नशा मुक्ति रैली का आयोजन आज

उमरिया। नशा मुक्ति जन जागृति अभियान के तहत नशे से दूरी है जरूरी 2.0 के तहत नशा मुक्ति रैली का आयोजन 30 जुलाई को सायं 5 बजे नगर पालिका स्टेडियम में किया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार शर्मा ने बताया कि अभियान के तहत युवाओ को नशे से दूर रखने के लिए खेल कूद और रचनात्मक गतिविधियों के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सेवानिवृत्त शिक्षिका गीता देवी का निधन

कोतमा। नगर के वार्ड क्रमांक 5 पुरानी बस्ती निवासी पंकज मिश्रा की माता एवं सेवानिवृत्त शिक्षिका श्रीमती गीता देवी का बुधवार सुबह लंबी बीमारी के बाद आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर से परिजनों, रिश्तेदारों, शुभचिंतकों एवं परिचितों में शोक की लहर दौड़ गई। श्रीमती गीता देवी शिक्षा के क्षेत्र से जुड़ी रही थीं और सेवानिवृत्ति के बाद भी सामाजिक रूप से सक्रिय रहीं। उनके निधन पर नगरवासियों एवं शुभचिंतकों ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की है।

भालूमाड़ा पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल में गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा का भव्य समापन

भालूमाड़ा। पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल भालूमाड़ा में आयोजित गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा का भव्य समापन समारोह उत्साह और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक लक्ष्मीनाथ तिवारी को शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने गुरु-शिष्य परंपरा पर आधारित मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों का मन मोह लिया। रंगारंग नृत्य, गीत, कविता एवं नाट्य प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। मुख्य अतिथियों एवं विद्यालय परिवार ने गुरु के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से अपने शिक्षकों का सम्मान करने और उनके मार्गदर्शन में आगे बढ़ने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि गुरु ही विद्यार्थियों के जीवन को सही दिशा देने का कार्य करते हैं और उनके संस्कारों का निर्माण करते हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों की सराहना की गई तथा सफल आयोजन के लिए विद्यालय परिवार को बधाई दी गई।

चार साल से पुलिया गायब!

सरकारी वादों के 'बरुआ नाला' में डूबी आदिवासियों की उम्मीदें

मानपुर। विकास के दावों की ढोलक पीटने में माहिर मानपुर नगर परिषद के पास वार्ड क्रमांक 10 के आदिवासी भाइयों की मजबूरी नापने का शायद कोई फीता नहीं है। बात सिर्फ एक बरुआ नाला की नहीं है, बात उस खोखले सिस्टम की है जो चार सालों से कागजों पर 'पुल' बना रहा है और जमीनी हकीकत में इंसानों की जान को दांव पर लगा रहा है। मानसून आते ही जहां बड़े-बड़े अफसरों के ड्राइंग रूम का मौसम सुहावना हो जाता है, वहीं इस आदिवासी बस्ती के लिए बरुआ नाला किसी मौत के फंदे जैसा उफान मारने लगता है।

कागजी घोड़ों की दौड़ और धरातल पर 'जीरो'

वार्ड क्रमांक 10 का बरुआ नाला अब केवल एक नाला नहीं, बल्कि नगर परिषद के निकम्मेपन की जीती-जागती मिसाल बन चुका है। बीते चार वर्षों से यहाँ के बाशिंदे एक छोटी सी पुलिया के लिए मानपुर नगर परिषद से लेकर जिला कलेक्टर के दफ्तर तक की चौखट घिस चुके हैं। मगर अंधी-बहरी प्रशासनिक व्यवस्था के कान पर जूं तक नहीं रेंगती। जनता के वोटों से चुनकर कुर्सियों पर आसीन हुए जनप्रतिनिधियों को शायद यह नाला केवल चुनाव के वक्त ही दिखाई देता है, चुनाव खत्म होते ही पुलिया की मांग फाइलों की धूल में दफन हो जाती है।

मौत की बाजी लगाकर स्कूल जाते नैनिहाल

बरसात शुरू होते ही बरुआ नाला अपने उफान पर आता है और इसी के साथ आदिवासी बस्ती का मुख्य मार्ग से संपर्क पूरी तरह कट जाता है। सबसे भयावह दृश्य तब देखने को मिलता है जब छोटे-छोटे मासूम स्कूली बच्चे अपनी किताबों के बस्ते कंधे पर टांगकर उफनते नाले को पार करते हैं। सवाल उठता है कि क्या प्रशासन को किसी बड़े हादसे का इंतजार है? क्या किसी मासूम की बलि चढने के बाद ही इन अफसरों की कुंभकर्णी नींद खुलेगी? बुजुर्गों और महिलाओं के लिए यह रास्ता किसी यातना शिविर से कम नहीं है।

'वेंटीलेटर' पर स्वास्थ्य व्यवस्था

यह केवल एक पुलिया का मामला नहीं है, बल्कि इंसानी जिंदगी का सवाल है। नाले में पानी का स्तर बढ़ते ही एम्बुलेंस, मोटरसाइकिल और गाडियां नाले के इस पार ही हाथ खड़े कर देती हैं। अगर कोई गर्भवती महिला, गंभीर मरीज या बुजुर्ग अचानक बीमार पड़ जाए, तो उसे खाट या झोली में लादकर उफनते नाले को पार कराना पड़ता है। डिजिटल इंडिया और स्मार्ट सिटी के बड़े-बड़े नारों के बीच यह दृश्य किसी आधुनिक समाज के मुंह पर करारा तमाचा है। इमरजेंसी के वक्त यहाँ स्वास्थ्य सेवाएं किसी चमत्कार के भरोसे ही टिकती हैं।

आखिर कब टूटेगी प्रशासन की खामोशी

क्षेत्रीय ग्रामीणों का सब्र अब जवाब दे चुका है। हर साल सिर्फ खोखले आश्वासन की घुट्टी पिलाकर जनता को टहला दिया जाता है। स्थानीय नागरिकों की सीधी चेतावनी है कि अगर जल्द ही बरुआ नाला पर पुलिया निर्माण का ठोस काम धरातल पर शुरू नहीं हुआ, तो वे हाथ पर हाथ धरकर बैठने वाले नहीं हैं। अब देखना यह होगा कि जनसमस्याओं के प्रति संवेदनहीन हो चुका मानपुर प्रशासन इस प्रशासनिक नाकामी के गड्ढे को पुलिया बनाकर भरता है, या फिर हर बार की तरह आदिवासियों को उफनते नाले में किस्मत के भरोसे छोड़ देता है।

भदार नदी पर पुल न बनना विधायक की प्राथमिकताओं पर बड़ा सवालः रोशनी

मानपुर। जनपद सदस्य रोशनी सिंह ने भदार नदी पर पुल निर्माण के संबंध में प्रशासन द्वारा किए गए निरीक्षण का स्वागत करते हुए कहा कि यह क्षेत्र के जागरूक नागरिकों एवं पत्रकारों के निरंतर प्रयासों का परिणाम है कि वर्षों पुरानी इस जनसमस्या पर प्रशासन ने संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा कि मानपुर विधानसभा क्षेत्र का लगभग 20 वर्षों से प्रतिनिधित्व करने और प्रदेश में लगभग 25 वर्षों से भाजपा सरकार होने के बावजूद भदार नदी पर आज तक पुल का निर्माण नहीं हो सका। उन्होंने प्रश्न उठाया कि आखिर क्षेत्र की इस गंभीर समस्या को प्राथमिकता क्यों नहीं दी गई।

रोशनी सिंह ने कहा कि हर वर्ष बरसात के दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित होती है। मरीज समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाते, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों एवं ग्रामीणों को जान जोखिम में डालकर नदी पार करनी पड़ती है। इसके बावजूद स्थायी समाधान नहीं निकल सका। उन्होंने कहा कि उनकी राय में विधायक निधि का उपयोग भदार नदी पर पुल जैसी स्थायी

जनहित की परियोजना के लिए किया जाना चाहिए था। इसके स्थान पर निधि का उपयोग यात्री प्रतीक्षालयों एवं टैंकर जैसी अन्य व्यवस्थाओं पर किया गया, जबकि क्षेत्र की सबसे बड़ी और वर्षों पुरानी समस्या आज भी जस की तस बनी हुई है। रोशनी सिंह ने शासन एवं प्रशासन से मांग की है कि भदार नदी पर पुल निर्माण के प्रस्ताव को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शीघ्र स्वीकृति प्रदान की जाए, ताकि क्षेत्र की जनता को वर्षों से चली आ रही इस समस्या से स्थायी राहत मिल सके।

वर्षाकाल में जिले की सभी सड़कों को दुरूस्त रखें: कलेक्टर

कलेक्टर ने सडक़ सुरक्षा समिति की वर्चुअली बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में सडक़ सुरक्षा समिति की बैठक वर्चुअली आयोजित की गई। इस अवसर पर कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वर्षा काल में जिले की सभी सडक़ो को दुरूस्त रखा जाए ताकि कहीं से भी पहुंच मार्ग खराब होने की शिकायतें न प्राप्त हो। उन्होने कहा कि शहरी क्षेत्र के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में भी जो सडक़े खराब हो गई उन्हें तत्परता पूर्वक एक सप्ताह में सुधार कर यातायाता हेतु सुगम बनाया जाए। कलेक्टर सभागार से वर्चुअली बैठक में कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्ग, प्रधानमंत्री ग्राम सडक़ योजना तथा एमपीआरडीसी के अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनके क्षेत्राधिकार की सभी सडक़े नियत समय में दुरूस्त कराएं। उन्होंने शहडोल मार्ग में निर्माणाधीन आरओबी के किनारें बनाएं गए वैकल्पिक मार्ग को तत्काल सुधार करानें के निर्देश दिए। उन्होंने पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि अपने क्षेत्राधिकार की सडक़ों में सुधार के कार्य कराएं।

उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि जल मग्न होने वाले पुल पुलियों में संकेतक लगाए जाए तथा जहां भी पुल पुलियो का निर्माण हो रहा है उसके बगल से बनाए गए वैकल्पिक मार्ग को यातायात हेतु सुगम बनाएं।

कलेक्टर ने शहरी क्षेत्रों मे निर्मित फुटपाथ पर लगाई जाने वाली दुकानों को व्यवस्थित ढंग से लगवाने के निर्देश अधिकारियों को दिए ताकि फुटपाथ पर लोग पैदल चल सके। उन्होंने शहरी क्षेत्र की सडक़ के किनारे की नालियों को खुली न रहने के निर्देश दिए तथा सडक के किनारे आवागमन को बाधित करने वाले ठेलों व अन्य पथ विक्रेताओं को निश्चित स्थान पर व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सडक़ में मवेशियों के कारण दुर्घटना की संभावना रहती है । अतः इन्हें हटाने की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं तथा उनके गले मे रिफलेक्टर लगाने की कार्यवाही सुनिश्चित करें। बैठक में अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज उपस्थित रहे तथा वर्चुअल रूप से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार शर्मा सहित अन्य विभागीय अधिकारी जुडे रहे।

अमरकंटक में गुरु पूर्णिमा की दिव्य आभा

श्रद्धा और संत परंपरा से आलोकित हुई तपोभूमि

अमरकंटक। मां नर्मदा की पावन उद्गम स्थली अमरकंटक में बुधवार को गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। ब्रह्ममुहूर्त से ही नर्मदा उद्गम क्षेत्र, मंदिरों, आश्रमों और संत निवासों में श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। देश के विभिन्न राज्यों के साथ ही दूर-दराज के क्षेत्रों से पहुंचे भक्तों ने अपने आराध्य गुरुओं के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और गुरु चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित किए। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर संपूर्ण अमरकंटक शंखनाद, घंटियों की गूंज, वैदिक मंत्रोच्चार, भजन-कीर्तन और 'जय गुरुदेव' तथा 'हर-हर नर्मदे' के जयघोष से गूंजता रहा। आश्रमों में गुरु पूजन, अभिषेक, आरती, सत्संग और भंडारों का आयोजन हुआ। इस दौरान गुरु-शिष्य परंपरा, सेवा, संस्कार और समर्पण की भावना पूरे क्षेत्र में दिखाई दी। श्री कल्याण सेवा आश्रम में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। भक्तों ने तपस्वी बाबा कल्याण दास महाराज के दर्शन एवं पूजन कर पुष्प, फल, वस्त्र और नारियल अर्पित किए। आश्रम के प्रबंध न्यासी स्वामी हिमाद्री मुनि महाराज ने बताया कि गुरु पूर्णिमा के अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों के साथ विदेशों से भी श्रद्धालु अमरकंटक पहुंचे। आश्रम में वैदिक आचार्यों द्वारा विशेष पूजन, गुरु अभिषेक, पुष्पांजलि और आरती कराई गई। संत-महात्माओं के सान्निध्य में भजन-कीर्तन और सत्संग से वातावरण भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर स्वामी हारस्वरूप महाराज, स्वामी जगदीश आनंद महाराज, स्वामी धर्मानंद महाराज, स्वामी शांतानंद महाराज, ब्रह्मचारी मनीष, स्वामी राघवानंद महाराज, स्वामी रामानंद महाराज एवं स्वामी रामेश्वर आनंद महाराज सहित अनेक संत-महात्मा उपस्थित रहे।

श्री मार्कंडेय आश्रम में भी गुरु पूर्णिमा का पर्व धार्मिक गरिमा और श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। आचार्य महामंडलेश्वर ब्रह्मऋषि रामकृष्णानंद महाराज के भक्तों ने विशेष पूजन, आरती और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ गुरु वंदना की। अपने संदेश में आचार्य महामंडलेश्वर ने कहा कि गुरु पूजन भारतीय संस्कृति की प्राचीन एवं पवित्र परंपरा है। गुरु का स्मरण जीवन में शांति, सद्बुद्धि और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करता है। गुरु ही मनुष्य को ज्ञान के प्रकाश से आलोकित कर सन्मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। आश्रम में भव्य भोजन प्रसादी भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान पंडित रामनरेश शास्त्री, पंडित विवेक शास्त्री सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। शांति कुटी आश्रम में गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का समापन विशाल भंडारे के साथ हुआ। आश्रम के श्रीमहंत राम भूषण दास महाराज ने बताया कि पिछले करीब तीन दशकों से आश्रम में गुरु पूर्णिमा से लगभग एक सप्ताह पूर्व श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। गुरु पूर्णिमा के बाद विशाल भंडारे के साथ इसका समापन होता है। उन्होंने कहा कि गुरु परंपरा भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। गुरु का सान्निध्य व्यक्ति को ज्ञान, सदाचार, संस्कार और आध्यात्मिक दिशा प्रदान करता है। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर अमरकंटक के शिक्षण संस्थानों में भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कल्याणिका पब्लिक स्कूल एवं कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन में विद्यार्थियों ने गुरुजनों का पूजन एवं सम्मान कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। विद्यार्थियों ने गुरु वंदना, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और प्रेरक कार्यक्रमों के माध्यम से गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को रेखांकित किया। विद्यालय के प्राचार्यों और शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बताया कि गुरु केवल किताबी ज्ञान देने तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण, संस्कार और जीवन मूल्यों को दिशा देने के साथ राष्ट्र निर्माण की नींव मजबूत करते हैं।

डेढ़ लाख के गांजा तस्करी मामले में एक और गिरफ्तारी

भालूमाड़ा क्षेत्र में घेराबंदी कर आरोपी बेनीप्रसाद महरा को दबोचा, न्यायालय ने भेजा जेल

कोतमा। जमगांव सेमरिया के पास मोटरसाइकिल से 10 किलो अवैध गांजा की तस्करी के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी बेनीप्रसाद महरा निवासी मौहरी को भालूमाड़ा क्षेत्र से घेराबंदी कर पकड़ा। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार, कोतमा पुलिस ने रविवार की भोर जमगांव सेमरिया के पास घेराबंदी कर मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 65 जेडबी 8205 से गांजा ले जा रहे

सूरज यादव पिता मुंशी यादव उम्र 28 वर्ष निवासी मौहरी और दिलीप साहू पिता जवाहर लाल साहू उम्र 19 वर्ष निवासी मौहरी, दमकी टोला चौकी फुनगा को गिरफ्तार किया था। दोनों आरोपियों के कब्जे से करीब 10 किलो गांजा, जिसकी कीमत लगभग डेढ़ लाख रुपए बताई गई है, तथा दो मोबाइल फोन जब्त किए गए थे। मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया था। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के दौरान उन्होंने गांजा परमानंद पनिका उर्फ गोलू एवं बेनीप्रसाद महरा निवासी मौहरी से लेना बताया था। इसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस की अलग-अलग टीमों ने भालूमाड़ा, फुनगा, अनूपपुर सहित अन्य संभावित स्थानों पर दबिश देकर आरोपियों की तलाश की। लगातार प्रयास के बाद पुलिस टीम को बेनीप्रसाद महरा को भालूमाड़ा क्षेत्र से गिरफ्तार करने में सफलता मिली। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। वहीं पुलिस द्वारा मामले में नामजद दूसरे आरोपी परमानंद पनिका उर्फ गोलू की तलाश भी जारी बताई जा रही है। कार्रवाई थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ल के नेतृत्व में की गई। टीम में सउनि सुखीनंद यादव, प्रधान आरक्षक रामखेलावन, दिनेश राठौर, संजीव त्रिपाठी, अभय त्रिपाठी एवं अनिल मरावी शामिल रहे। पुलिस द्वारा गांजा तस्करी के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

कोतमा न्यायालय में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई गुरु पूर्णिमा

कोतमा। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर कोतमा न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं द्वारा श्रद्धा, सम्मान एवं कृतज्ञता के साथ गुरु पूर्णिमा समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ताओं ने अपने गुरुजनों एवं वरिष्ठ अधिवक्ताओं के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उन्हें प्रतीक रूप उपहार भेंट किए और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर न्यायालय परिसर में गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता पर चर्चा की गई। उपस्थित अधिवक्ताओं ने कहा कि गुरु का स्थान जीवन में सर्वोच्च होता है। गुरु केवल ज्ञान प्रदान करने का कार्य नहीं करते, बल्कि अपने अनुभव और मार्गदर्शन से शिष्यों को जीवन में सही दिशा चुनने तथा कठिन परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता राम प्रकाश शुक्ला ने कहा कि गुरु व्यक्ति को केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि जीवन में सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा भी प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि गुरुजनों के अनुभव और मार्गदर्शन से व्यक्ति अपने जीवन एवं कार्यक्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ सकता है। इस दौरान सभी ने गुरुजनों का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर न्यायालय परिसर में पूरे दिन सौहार्दपूर्ण एवं आत्मीय वातावरण बना रहा। अधिवक्ताओं ने एक-दूसरे को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं दीं तथा गुरुजनों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की। समारोह ने न्यायालय परिसर में आपसी सद्भाव, वरिष्ठजनों के सम्मान और गुरु-शिष्य परंपरा की गरिमा को और मजबूत किया।

नशे से दूरी के साथ साइबर ठगी से बचाव का दिया संदेश

बिजुरी। नगर पालिका बिजुरी कार्यालय प्रांगण में सोमवार को "नशे से दूरी है जरूरी 2.0" अभियान के तहत नशामुक्ति एवं साइबर फ्रॉड से बचाव को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष सहबिन पनिका, उपाध्यक्ष प्रीति सतीश शर्मा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी पवन कुमार साहू, नगर निरीक्षक विकास सिंह, पीआईसी सदस्य, वार्ड पार्षद, पत्रकारगण एवं नगर पालिका के कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर निरीक्षक विकास सिंह ने कहा कि नशामुक्ति अभियान 2.0 का उद्देश्य समाज को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए सभी को अपनी जिम्मेदारी का एहसास कराना है। उन्होंने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति को प्रभावित नहीं करता, बल्कि इसका दुष्प्रभाव पूरे परिवार और समाज पर पड़ता है। नशीले पदार्थों के सेवन से व्यक्ति का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होने के साथ ही सामाजिक प्रतिष्ठा और आर्थिक स्थिति पर भी गंभीर असर पड़ता है। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि युवा अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करें और शिक्षा, खेल, संस्कृति तथा सकारात्मक गतिविधियों से जुड़कर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ केवल प्रशासन या पुलिस को ही नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को जागरूकता फैलाने की जिम्मेदारी निभानी होगी। सभी को नशे से दूरी बनाए रखने तथा अपने आसपास के लोगों को भी इसके दुष्परिणामों के बारे में जागरूक करने का संकल्प लेना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान साइबर फ्रॉड को लेकर भी लोगों को महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। नगर निरीक्षक विकास सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में ऑनलाइन लेनदेन बढ़ने के साथ साइबर ठगी के मामले भी लगातार सामने आ रहे हैं। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति को ऑनलाइन पैसे के लेनदेन के दौरान विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति के साथ अपना ओटीपी, एटीएम पिन, बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी या अन्य संवेदनशील विवरण साझा नहीं करना चाहिए। अपरिचित व्यक्तियों के कहने पर किसी लिंक पर क्लिक करने अथवा उनके बताए तरीके से ऑनलाइन लेनदेन करने से भी बचना चाहिए। विकास सिंह ने बताया कि साइबर ठगी का शिकार केवल कम पढ़े-लिखे लोग ही नहीं, बल्कि जागरूक और शिक्षित लोग भी हो रहे हैं। पुलिस के पास ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिनमें लोगों से लाखों रुपये की ठगी की गई है। साइबर ठग अलग-अलग तरह के प्रलोभन देकर लोगों को अपने जाल में फंसाते हैं और कुछ ही समय में उनके बैंक खातों से रकम निकाल लेते हैं।

खबर संक्षेप

नशा मुक्त युवा विकसित भारत अभियान अंतर्गत दिलाई गई शपथ

उमरिया। नशा मुक्त युवा विकसित भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम पीएमश्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमरपुर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी उमाशंकर त्रिवेदी ने उपस्थित जनों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में 700 से अधिक छात्र-युवाओं ने नशे से दूर रहने की शपथ ली। तत्पश्चात युवाओं द्वारा नशा मुक्ति का संदेश देते हुए विद्यालय परिसर से रैली निकाली गई।

इसी कड़ी में गत दिवस ग्राम पंचायत पिनौरा में भी रैली का आयोजन कर ग्रामीणों को नशा मुक्ति के प्रति जागरूक किया गया। जिसमें विद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने अपनी सक्रिय सहभागिता की । यह कार्यक्रम संयुक्त रूप से माय भारत राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम, जिला स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग एवं स्थानीय पुलिस प्रशासन के सहयोग से आयोजित किया गया। इस अवसर पर मेरा युवा भारत केंद्र के तरुण बमनिया, जिला क्वालिटी मॉनिटर, डॉ. हर्षा पाटिल, प्राचार्य पवन चतुर्वेदी, सुश्री पूनम मिश्रा, आदित्य सिंह एवं सुश्री आकांक्षा सिंह, मास्टर ट्रेनर तथा पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य तथा महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों ने आंगनबाडी का किया निरीक्षण

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय व्दारा संयुक्त भ्रमण करने के निर्देश के परिपालन में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास के अधिकारियों द्वारा मैदानी स्तर पर भ्रमण कर स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.ऋचा गुप्ता एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग दिव्या गुप्ता द्वारा वार्ड नंबर 20 सिंगल टोला की आंगनवाड़ी का संयुक्त भ्रमण कर ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस एवं एच बी वय सी का निरीक्षण किया गया ।

इस दौरानउपस्थित गर्भवती माता एवं शिशुओं को टीकाकरण एवं स्टॉप डायरिया सह दस्तक अभियान के संबंध में जानकारी दी गई । साथ ही महिलाओं को पोषण आहार एवं संतुलित मात्रा में भोज्य पदार्थों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। निरीक्षण के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुनीता दीदी,हेल्थ सुपरवाइजर माया शर्मा,एएनएम अंजू यादव उपस्थिति रही।

आर्थिक सहायता का भुगतान के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

उमरिया। स्वास्थ्य सुरक्षा परिषद्) द्वारा पीएम राहत (प्रधानमंत्री-सडक़ दुर्घटना पीड़ित अस्पताल में भर्ती एवं सुनिश्चित उपचार) योजना के सुचारु एवं समयबद्ध क्रियान्वयन हेतु प्रधानमंत्री द्वारा पीएम राहत (प्रधानमंत्री रोड एक्सीडेंट विक्टिम हास्पिटिलाईज एंड एस्योर्ड ट्रीटमेंट) योजना के तहत सडक़ दुर्घटना पीड़ितों को गोल्डन ऑवर के दौरान सडक़ दुर्घटना की तिथि से 7 दिनों के भीतर 1.5 लाख रूपयें तक का कैशलेस चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है। पीएम राहत योजना के अंतर्गत नेशनल हेल्थ एथार्टी द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसमें ट्रांजैक्शन मैनेजमेंट सिस्टम , हॉस्पिटल एंगेजमेंट मॉड्यूल, यूजर मैनेजमेंट पोर्टल तथा एंटी-फ्रॉड ट्रिगर्स सम्मिलित है।

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने पीएम राहत (प्रधानमंत्री सडक़ दुर्घटना पीड़ित अस्पताल में भर्ती एवं सुनिश्चित उपचार) योजना के सुचारु एवं समयबद्ध क्रियान्वयन हेतु सडक़ दुर्घटना पीड़ितों को समय पर शासन के निर्देशानुसार पात्र हितग्राहियों को उपचार हेतु आर्थिक सहायता की कार्यवाही करने के लिए प्रत्युष श्रीवास्तव डिप्टी कलेक्टर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर शिष्यों ने गुरु पूजन कर लिया आशीर्वाद

श्रीराम जानकी मंदिर बुढार तथा मानव कल्याण आश्रम सहित अन्य स्थानों में पूरे श्रद्धा एवं आस्था पूर्वक मना गुरु पूर्णिमां

बुढार। गुरुपूर्णिमां महोत्सव पर श्रद्धालु धर्म प्रेमियों नें गुरू शिष्य का अनुपमेय उदाहरण प्रस्तुत करते हुये अपने पूज्य गुरू का विधि-विधान पूर्वक पूजन-अर्चन कर शुभाशीर्वाद अर्जित किये। नगर के श्रीराम जानकी मंदिर बुढ़ार, मानव कल्याण आश्रम गीताधाम कटकोना सहित नगर एवं आस-पास के क्षेत्रों में गुरू पूर्णिमा महोत्सव के पुण्य अवसर पर शिष्यों ने श्रद्धा व आस्था पूर्वक विधि-विधान से गुरू पूजन अर्चन किये। गुरुपूर्णिमा महोत्सव पर गुरू - शिष्य की अनादिकाल से चली आ रही परंपरा को नगर एवं आस-पास देखने को मिली, जहां पूज्य गुरूवर का श्रद्धा एवं आस्था पूर्वक शिष्यों नें मंदिरों तथा अपने पूज्य गुरुजनों के निज निवास पहुंचकर पूजन-अर्चन कर शुभाशीष अर्जित किये।

श्रीराम जानकी मन्दिर में पूरे श्रद्धा के साथ मना गुरु पूर्णिमा

श्रीराम जानकी मन्दिर बुढ़ार के महन्त श्री अर्जुन दास महाराज के शिष्यों तथा श्रद्धालु जन प्रातः काल से ही मंदिर पहुंच कर विधिः विधान पूर्वक पूजन अर्चन कर शुभाशीष प्राप्त किये और अनेक शिष्यों ने पूज्य महन्त श्री से गुरु दीक्षा लिये। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्रीराम जानकी मंदिर के साकेतवासी महन्त श्री नारायण दास शास्त्री के प्रिय शिष्यों नें पूज्य स्वामी जी के तैलचित्र को साक्षी मानकर पूजन अर्चन किये, वहीं मंदिर के सकेतवासी महन्त श्रीरामबालक दास महाराज के शिष्यों नें उनके छायाचित्र को साक्षी मानकर पूजन अर्चन किये। श्रीराम जानकी मंदिर के महंत श्री अर्जुन दास जी महाराज ने के शिष्यों ने श्रद्धा एवं आस्था पूर्वक वैदिक मन्त्रोच्चारण के मध्य पूजन-अर्चन किये। और गुरुवर ने शिष्यों को शुभाशीर्वाद दिये।

मानवकल्याण आश्रम गीताधाम कटकोना में आध्यात्मिक भजनों के मध्य मना गुरु पूर्णिमा महोत्सव

नगर से लगे समीपी ग्राम-कटकोना स्थित मानवकल्याण आश्रम गीताधाम कटकोना में गुरूपूर्णिमा उत्सव परंपरानुरूप मनाया गया। आश्रम के संस्थापक - ब्रह्मलीन स्वामी सच्चिदानंद सरस्वती के शिष्यों ने स्वामी जी की प्रतिमां को साक्षी मानकर पूरे श्रद्धा के साथ पूजन अर्चन कर शुभाशीर्वाद प्राप्त किये। इस अवसर पर आध्यात्मिक भजनों तथा भजन कीर्तन का पुण्य लाभ श्रद्धालुओंनें नें अर्जित कर गुरुप्रसाद ग्रहण किया। गुरुपूर्णिमा मानव कल्याण आश्रम के प्रो. धर्मेन्द्र द्विवेदी, गीतानुरागी - श्रीकांत, मंदिर के पुजारी - रामदीन शर्मा, निरंजन पटेल, शारदा प्रसाद द्विवेदी, कमलेश श्रीवास्तव रामशरण सिंह तथा स्वामी जी के शिष्यों ने गुरु पूर्णिमा पर अपनी सहभागिता निभाई।

गीतानुरागी के शिवालय में मना गुरूपूर्णिमा महोत्सव

लालपुर हवाई पट्टी से लगे ग्राम पिपरतरा स्थित भूत-भावन भोलेनाथ के शिवालय में गीतानुरागी - श्रीकांत शर्मा के यहां स्थित शिवालय में गुरूपूर्णिमा श्रद्धा एवं आस्था पूर्वक मनायी गई। गीतानुरागी के शिष्यों ने गुरु शिष्य का अनुपमेय उदाहरण प्रस्तुत करते हुये वैदिक मंत्रोच्चार के साथ गीतानुरागी का पूजन अर्चन किये और गुरु पूर्णिमा पर शिष्यों नें उनका शुभाशीर्वाद प्राप्त किये। गीतानुरागी नें गुरू - शिष्य की महत्ता पर अपनें प्रेरक विचार व्यक्त किये और सभी के कल्याण की मंगल कामना की। इस पुण्य अवसर पर उन्होंने शिष्यों व श्रद्धालुओं को प्रसाद ग्रहण कराया। आचार्य शिवेंद्र द्विवेदी ने अपने शिष्यों के साथ गुरु पूर्णिमा पर्व के दौरान शिष्यों के द्वारा नतमस्तक होकर अपने गुरु से उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद ग्रहण किया।

गुरु आश्रम सेमरा में गुरु पूर्णिमा उत्सव परांपरानुरुप मना

बुढार से लगे ग्राम सेमरा स्थित गुरु महाराज बालकृष्ण पांडेय के गुर आश्रम में गुरु पूर्णिमा उत्सव विविध धार्मिक कार्यक्रमों के मध्य श्रद्धा एवं आस्था पूर्वक मनाया गया। गुरु आश्रम में गुरु महाराज के परम शिष्यों ने विधि-विधान पूर्वक पूजन अर्चन कर गुरु श्री से आशीर्वाद लिये। गुरु पूर्णिमा अवसर पर श्री हनुमान चालीसा, सुंदर काण्ड पाठ तथा राम नाम संकीर्तन के उपरांत बुधवार को हवन एवं पूर्णाहुति के उपरांत ब्राह्मण भोजन के उपरांत विशाल भंडारा का आयोजन गुरु पूर्णिमा अवसर पर किया गया और शिष्यों तथा धर्म प्रेमियों ने प्रसाद ग्रहण किया।

शासकीय महाविद्यालय बिरसिंहपुर पाली में गुरु पूर्णिमा का गरिमामय आयोजन

उमरिया। शासकीय महाविद्यालय बिरसिंहपुर पाली में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में गुरु पूर्णिमा का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं गुरु सांदीपनी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य श्री हरलाल अहिरवार ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है।

गुरु केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का निर्माण कर उन्हें जीवन के सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा भी प्रदान करते हैं।डॉ. शाहिद सिद्दीकी ने गुरु पूर्णिमा के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरु को ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश के समान सम्मान दिया गया है। उन्होंने विद्यार्थियों से गुरुजनों के प्रति श्रद्धा, अनुशासन एवं समर्पण की भावना बनाए रखने का आह्वान किया। डॉ जे पी एस चौहान ने अपने वक्तव्य में बताया कि छात्रों

को गुरु से प्रश्न पूछने चाहिए जिससे उनकी तार्किक क्षमता का विकास हो सके। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मंसूर अली ने किया। तुमने बताया कि हमारे जीवन की पहली गुरु हमारी मां होती है। इस अवसर पर डॉ. नरेश प्रसाद शुक्ला, डॉ. ऋतु सेन, डॉ. त्रिभुवन गिरी, डॉ. जयंती पायसी, श्री बालेन्द्र यादव एवं श्री अंकुश सोनी ने गुरु-शिष्य परंपरा, भारतीय ज्ञान परंपरा तथा नैतिक मूल्यों पर प्रेरणादायी विचार व्यक्त किए। सभी वक्ताओं ने विद्यार्थियों से गुरु के आदर्शों को आत्मसात कर ज्ञान, अनुशासन एवं संस्कारयुक्त जीवन अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम की प्रभारी डॉक्टर मनीष अग्रवाल ने छात्रों से कहा कि गुरुओं के प्रति श्रद्धा रखना सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी के सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

50 साल पुराने SECL खदान के खतरनाक 'गोफ' पर बसी बस्ती, प्रदूषण की शिकायत पर पहुँची संयुक्त टीम

बुढ़ार। नगर परिषद क्षेत्र के अंतर्गत रुंगटा मार्ग, जेल बिल्डिंग के समीप सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिहाज से एक बेहद गंभीर स्थिति निर्मित हो गई है। विकास नगर (वार्ड क्रमांक 07) में स्थित यह पूरा इलाका लगभग 50 वर्ष पूर्व संचालित SECL सोहागपुर की रुंगटा माइंस एवं अंडरग्राउंड अमलाई खदान का गोफ (धंसी हुई/खोखली जमीन) है, जो आज भी ज्यों का त्यों बना हुआ है। समय के साथ-साथ इस खतरनाक जमीन पर लोगों ने मकान बना लिए, जिससे आज यहाँ एक पूरी बस्ती बस चुकी है।

प्रदूषण की शिकायत पर हरकत में आया प्रशासन हाल ही में स्थानीय पार्षद द्वारा कलेक्टर को सौंपे गए एक शिकायत पत्र में क्षेत्र में पर्यावरण, जल और वायु प्रदूषण नियंत्रण की माँग की गई थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए राजस्व, जिला प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और नगर पालिका की एक संयुक्त टीम ने मौके पर पहुँचकर स्थिति का जायजा लिया तथा जाँच के लिए जल एवं वायु के सैंपल लैब भेजे हैं।

केमिकल फैक्ट्री पर आरोप बनाम धरातली सच्चाई

शिकायतकर्ता ने अपने पत्र में क्षेत्र की केमिकल फैक्ट्री पर जल, वायु और भूमि को प्रदूषित करने का आरोप लगाया है। हालांकि, स्थानीय तथ्यों के अनुसार, बस्ती बसने के करीब 20 वर्ष बाद इस फैक्ट्री का निर्माण हुआ था। असलियत यह भी है कि इस क्षेत्र में पुराना खदान (गोफ) होने के कारण पानी का स्वाद और गुणवत्ता शुरुआत से ही खराब व खारी रही है।

वहीं, फैक्ट्री प्रबंधन ने अपना पक्ष स्पष्ट करते हुए कहा है कि केमिकल को किसी भी सूरत में खुले स्थान या भूमि पर नहीं छोड़ा जा रहा है। वर्तमान में जल, वायु तथा पर्यावरण को स्वच्छ रखने व प्रदूषण रोकने के लिए सभी आवश्यक और कड़े उपाय किए जा रहे हैं।

अधिकारिक बयानः मंगलवार को प्रदूषण विभाग की टीम के साथ मैं स्वयं मौके पर निरीक्षण के लिए गया था। वहाँ के स्थानीय नागरिकों ने जल, वायु और भूमि के दूषित होने की शिकायत दर्ज कराई थी। मौके से पानी का सैंपल लेकर जाँच के लिए लैब भेज दिया गया है। जाँच रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

सौरभ श्रीवास्तव, मुख्य नगर पालिका अधिकारी बुढ़ार

कलेक्टर परिसर में कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत ने रोपित किए पौधे

उमरिया। एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत कलेक्टर परिसर में फलदार पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास का संदेश दिया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह, हिमांशु तिवारी ने आम, अमरूद, जामुन एवं अन्य फलदार पौध रोपित किए तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रकृति, पर्यावरण और मातृत्व के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक सार्थक प्रयास है। उन्होंने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आमजन से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं हरित वातावरण मिल सके। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभय सिंह ने कहा कि फलदार पौधे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ जैव विविधता को बढ़ावा देने और भविष्य में पौष्टिक फल उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाने तथा उसकी देखरेख करने का आग्रह किया। कार्यक्रम युवा टीम हिमांशु तिवारी एवं उनकी टीम व्दारा आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे और सभी ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

अंतरर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर ओपन थियेटर फारेस्ट कैंपस ताला में कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के ओपन थिएटर, फॉरेस्ट कैंपस, ताला कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, ताला से छात्र-छात्राओं, वन विभाग के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों, गाइड एसोसिएशन, होटल, रिसॉर्ट एसोसिएशन के सदस्यों एवं स्थानीय ग्रामीणों द्वारा बाघ संरक्षण हेतु जन जागरूकता रैली निकाली । रैली विद्यालय परिसर से निकलकर ताला के मुख्य मार्ग से होते हुए ओपन थिएटर, फॉरेस्ट कैंपस, ताला तक पहुंची। रैली में बाघ बचाओ- जंगल बचाओ, हमारा साथी कौन है- बाघ है, हाथी है , के स्लोगन के माध्यम से क्षेत्रवासियों को जागरूकता का संदेश दिया गया। तत्पश्चात ओपन थिएटर परिसर में डॉ अनुपम सहाय फील्ड डायरेक्टर, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के मुख्य आतिथ्य तथा नागेन्द्र तिवारी, प्राचार्य, मॉडल स्कूल, ताला कि उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. राजेश तोमर , वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्वय उपवनमंडलाधिकारीय समस्त परिक्षेत्र अधिकारीय गाइड एसोसिएशन के सदस्यय होटलधिसॉर्ट एसोसिएशन के सदस्ययतथा स्कूल के छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 350 छात्र छात्राओं ने भाग लिया। क्षेत्र संचालक बांधवगढ ने अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस बाघ सप्ताह के उपलक्ष्य में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व द्वारा आयोजित नौ दिवसीय कार्यक्रमों-चलित

प्रदर्शनी , जनजागरूकता रेली, समिति से संवाद कार्यक्रम, विभिन्न स्कूलों में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता, वनकर्मियों का फॉरेस्ट मार्च आदि के संबंध विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए बाघ संरक्षण हेतु वन विभाग एवं स्थानीय समुदाय की साझा भागीदारी के महत्व को समझाते हुए बाघ संरक्षण हेतु प्रेरित किया । कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों व्दारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित करते हुए पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। स्कूली छात्रो को जीरो फायर मिशन के तहत वन अग्नि नियंत्रण हेतु किए गए उनके प्रयासों हेतु उन्हें जूनियर फायर वॉचर पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए । मुख्य समारोह की समाप्ति के उपरांत रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें वनकर्मियों तथा अन्य जनों द्वारा बढ़-चढक़र सहभागिता दी गईं, तथा 29 जुलाई को 29 यूनिट्स ब्लड दान कर अपने सामाजिक दायित्व का भी सजगकता से निर्वहन किया।

गुरु पूर्णिमा पर्व पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय रणविजय प्रताप सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय, में स्वामी विवेकानंद सामुदायिक हॉल में गुरु पूर्णिमा एवं व्यास जयंती के उपलक्ष्य में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं महर्षि सांदीपनि के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. एम. एन. स्वामी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा खुशी का पर्व है, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि आने वाली पीढ़ी गुरुजनों का सम्मान केवल औपचारिकता न समझे बल्कि

जीवन का हिस्सा बनाए। विशिष्ट अतिथि श्री संतोष कुमार द्विवेदी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा का हमारी संस्कृति में विशेष महत्व है। गुरु-शिष्य संबंध केवल व्यावसायिक नहीं बल्कि चारित्रिक और नैतिक शिक्षा का आधार होना चाहिए। कार्यक्रम अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. अमित कुमार निगम ने कहा कि आधुनिक दौर में गुरु और शिष्य के बीच दूरी बढ़ रही है। यदि शिष्य अपने गुरुओं को समय देंगे तो गुरु उन्हें और अधिक ज्ञान, स्नेह और आत्मविश्वास प्रदान करेंगे। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ प्राध्यापकों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन संयोजक ऋषिराज पुरवार एवं डॉ. अरविंद शाह बरकड़े के नेतृत्व में हुआ। अंत में डॉ. रमेश प्रसाद कोल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के समापन पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत प्राचार्य, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थियों द्वारा पौधारोपण किया गया। इस अवसरप पर सेवानिवृत्तव प्राध्याकपक, विशिष्ट अतिथि संतोष कुमार द्विवेदी, कार्यक्रम अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. अमित कुमार निगम उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

प्रशासन की नाक के नीचे किया जा रहा अतिक्रमण

अनूपपुर। जिले के पुष्पराजगढ़ वन क्षेत्र में अतिक्रमण कर निर्माण कार्य किया जा रहा है ताजुब की बात यह है कि यह कार्य वन विभाग के कार्यालय से चंद कदमों की दूरी पर हो रहा है वैसे भी राजेन्द्रग्राम में अतिक्रमण कर घर बनाना कोई नया कार्य नही है किन्तु जब संबधित विभाग से लगा हुआ अतिक्रमण होता है तब वह चिंतनीय एवं निंदनीय बन जाता है, वनमंडल कार्यालय से वंशकार मोहल्ला लगा हुआ है यहीं से कन्या क्रीड़ा परिषर के लिये कांक्रीट सडक मार्ग बना है ठीक उसी तिराहे पर यह निर्माण कार्य बेधडक तरीके से किया जा रहा है, ऐसा नही कि इसकी जानकारी पुष्पराजगढ़ राजस्व एवं वनअमले को नही है किन्तु चंद मेहरबानियों के तले कर्तव्य कमजोर बन जाता है तब ऐसे अतिक्रमणरूपी निर्माण कार्य किये एवं कराये जाते हैं।

11 केवी बिजली लाइन की चपेट में आया 18 वर्षीय युवक, हालत गंभीर

कोतमा। कोतमा थाना क्षेत्र में 11 केवी विद्युत लाइन की चपेट में आने से 18 वर्षीय युवक के गंभीर रूप से झुलसने का मामला सामने आया है। हादसे के बाद घायल युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है और उसे बेहतर उपचार के लिए भिलाई रेफर किए जाने की जानकारी सामने आई है। घटना के बाद स्थानीय स्तर पर मामले को सार्वजनिक होने से बचाने के कथित प्रयासों को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। जानकारी के अनुसार ग्राम बरगवां निवासी मोनू यादव मंगलवार शाम करीब 6 बजे कोतमा नगर के वार्ड क्रमांक 6 स्थित देवगवां सोसाइटी के कर्मचारी सुरेंद्र पांडे के मकान में हरी लकड़ी और बांस से निर्माण कार्य कर रहा था। बताया जा रहा है कि निर्माणाधीन मकान के ऊपर से 11 केवी की विद्युत लाइन गुजर रही थी। इसी दौरान लकड़ी के विद्युत लाइन के संपर्क में आने से युवक करंट की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस गया। हादसे के बाद घायल मोनू यादव को पहले अनूपपुर जिला अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए शहडोल रेफर किए जाने और वहां से आगे उपचार के लिए भिलाई भेजे जाने की जानकारी है। बताया जा रहा है कि युवक की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि घटना के बाद मामले को तत्काल सार्वजनिक होने से रोकने का प्रयास किया गया। हालांकि, घटना की वास्तविक परिस्थितियों और मामले को छिपाने के कथित प्रयासों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। घटना ने विद्युत सुरक्षा व्यवस्था और निर्माण कार्य के दौरान बरती गई सावधानियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि निर्माणाधीन मकान के ऊपर से 11 केवी की हाईटेंशन लाइन गुजर रही थी तो वहां काम करने वाले युवक की सुरक्षा के लिए क्या इंतजाम किए गए थे? क्या निर्माण शुरू करने से पहले विद्युत विभाग को सूचना दी गई थी? क्या लाइन को सुरक्षित कराया गया था अथवा बिजली आपूर्ति बंद कराई गई थी? लोगों का कहना है कि हाईटेंशन लाइन के आसपास निर्माण अथवा लकड़ी-बांस से संबंधित कार्य कराते समय निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन बेहद जरूरी है। ऐसे में यह जांच का विषय है कि हादसा किन परिस्थितियों में हुआ और इसमें किस स्तर पर लापरवाही बरती गई।

प्रशासन से निराश, न्यायालय से आस

23 वर्षों से जिला न्यायालय भवन की प्रतीक्षा, हाईकोर्ट ने दिखाई सख्ती

लॉ सेक्रेट्री को 3 अगस्त को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के निर्देश, वर्षों से लंबित न्यायालय भवन निर्माण मामले में बढ़ी उम्मीद

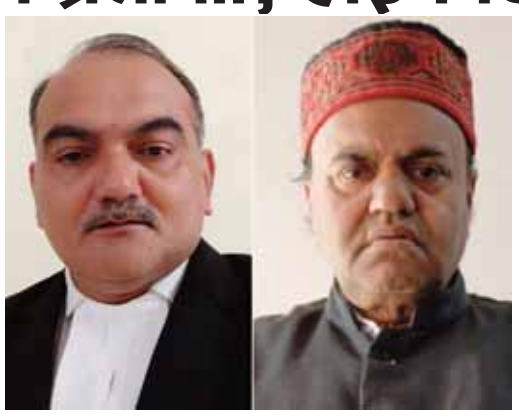

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। वर्ष 2003 में जिला बनने के बावजूद आज तक अनूपपुर को पूर्ण सुविधाओं से युक्त जिला न्यायालय भवन और न्यायिक अधिकारियों के लिए आवास उपलब्ध नहीं हो सके हैं। करीब 23 वर्षों से चली आ रही इस गंभीर समस्या पर अब मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर ने सख्त रुख अपनाया है। लंबे समय से शासन-प्रशासन के आश्वासनों, घोषणाओं और जनप्रतिनिधियों के प्रयासों के बावजूद बजट स्वीकृत न होने के कारण अधिवक्ताओं ने न्यायालय की शरण ली और अब इस मामले में न्यायपालिका की सक्रियता ने जिलेवासियों में नई उम्मीद जगा दी है। उच्च न्यायालय की डबल बेंच ने 28 जुलाई की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के विधि विभाग (लॉ डिपार्टमेंट) के प्रमुख सचिव (लॉ सेक्रेट्री) को 3 अगस्त 2026 को व्यक्तिगत रूप से न्यायालय में उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। न्यायालय का यह आदेश इस बात का संकेत माना जा रहा है कि अब वर्षों से लंबित इस महत्वपूर्ण मामले में जवाबदेही तय हो सकती है।

घोषणाएं हुईं, लेकिन धरातल पर नहीं उतरा निर्माण

अनूपपुर जिला बनने के बाद से ही जिला न्यायालय भवन और न्यायिक अधिकारियों के आवास निर्माण की मांग लगातार उठती रही है। विभिन्न अवसरों पर मुख्यमंत्री द्वारा जिले के प्रवास के दौरान न्यायालय परिसर निर्माण की घोषणा की गई। विधानसभा में स्थानीय विधायकों ने भी यह मुद्दा उठाया और सरकार से बजट जारी करने की मांग की, लेकिन इसके बावजूद निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका। जिला न्यायालय अधिवक्ता संघ ने भी समय-समय पर शासन को ज्ञापन सौंपकर समस्या की ओर ध्यान आकर्षित कराया। अनेक बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को अवगत कराने के बावजूद स्थिति जस की तस बनी रही। लगातार आश्वासन तो मिले, लेकिन बजट स्वीकृति और निर्माण की दिशा में कोई ठोस कदम सामने नहीं आया।

जब प्रशासन से नहीं मिली राहत, तो हाईकोर्ट का खटखटाया दरवाजा

शासन स्तर पर समाधान नहीं निकलने पर अधिवक्ता दीपक कुमार पांडे ने वरिष्ठ अधिवक्ता बासुदेव चटर्जी के माध्यम से मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर में रिट याचिका दायर की। याचिका में न्यायालय भवन एवं न्यायिक अधिकारियों के आवास निर्माण के लिए बजट जारी करने और आवश्यक कार्रवाई का अनुरोध किया गया। मामले की पहली ही सुनवाई में उच्च न्यायालय ने सभी संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। हालांकि, लगभग एक वर्ष बीत जाने के बाद भी संबंधित विभागों द्वारा कोई संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही मामले में अपेक्षित प्रगति हुई। इसे गंभीरता से लेते हुए डबल बेंच ने अब राज्य सरकार के लॉ सेक्रेट्री की व्यक्तिगत उपस्थिति सुनिश्चित करने का आदेश दिया है।

अधिवक्ता दीपक कुमार पांडे ने क्या कहा

याचिकाकर्ता अधिवक्ता दीपक कुमार पांडे का कहना है कि राज्य सरकार के पास अन्य विकास कार्यों के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध रहता है, लेकिन न्यायालय भवन निर्माण जैसे अत्यंत आवश्यक कार्य को लगातार टाला जाता रहा है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन हजारों लोग न्यायालय आते हैं, लेकिन उनके बैठने तक की समुचित व्यवस्था नहीं है। न्यायिक अधिकारियों के लिए आवास उपलब्ध नहीं हैं और अधिवक्ताओं को भी सीमित स्थान में कार्य करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि जब बार-बार ज्ञापन, मांग और जनप्रतिनिधियों के प्रयासों के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तब न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। उनका विश्वास है कि उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद अब सरकार इस दिशा में गंभीरता से कदम उठाएगी।

जिले के विकास से जुड़ा है यह मुद्दा

जिला न्यायालय का आधुनिक भवन केवल न्यायिक व्यवस्था की आवश्यकता नहीं, बल्कि जिले के समग्र विकास का भी महत्वपूर्ण आधार है। बेहतर न्यायिक अधोसंरचना से आम नागरिकों को सुविधाजनक वातावरण मिलेगा, न्यायिक प्रक्रिया अधिक प्रभावी होगी और जिले की प्रशासनिक व्यवस्था भी मजबूत होगी। स्थानीय अधिवक्ताओं का मानना है कि यदि अनूपपुर के हित में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत लोग अपने-अपने स्तर पर सकारात्मक प्रयास करें, तो जिले के विकास से जुड़े कई लंबे समय से लंबित कार्य पूरे हो सकते हैं। न्यायालय भवन का निर्माण भी ऐसा ही एक मुद्दा है, जिसमें समाज, जनप्रतिनिधियों, अधिवक्ताओं और प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से सकारात्मक परिणाम की उम्मीद की जा रही है। अब सभी की निगाहें 3 अगस्त 2026 को उच्च न्यायालय में होने वाली सुनवाई पर टिकी हैं। यदि राज्य सरकार स्पष्ट जवाब प्रस्तुत करती है और बजट स्वीकृति की दिशा में ठोस पहल होती है, तो अनूपपुर जिले को वर्षों से प्रतीक्षित जिला न्यायालय भवन और न्यायिक अधिकारियों के आवास निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। ज्ञात हो कि दीपक कुमार पांडे अनूपपुर के ही मूल निवासी हैं और अनूपपुर जिले के कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर आन्दोलन कर चुके हैं, समाज सेवा में उनके योगदान के लिए कई बार जिला प्रशासन और नागर पालिका एवं सामाजिक संगठन द्वारा सम्मानित किया गया है, जबलपुर उच्च न्यायालय में अनूपपुर जिले के लोगों को न सिर्फ निःशुल्क न्यायिक सेवा उपलब्ध कराते हैं बल्कि किसी प्रकार की मदद हो तो सदैव तत्पर रहे हैं।

सेवानिवृत्ति से दो दिन पहले थाना प्रभारी के घर छाया मातम, बेटे की हत्या

राजेंद्रग्राम थाना प्रभारी पीसी कोल के पुत्र पर रीवा में चाकू से हमला उपचार के दौरान मौत, पुरानी रंजिश में वारदात का आरोप

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। पुलिस की वर्दी में रहते हुए अपराधियों से मुकाबला करने वाले राजेंद्रग्राम थाना प्रभारी पीसी कोल के परिवार पर उस समय दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, जब उनके पुत्र की रीवा में कथित तौर पर पुरानी रंजिश के चलते हत्या कर दी गई। घटना की खबर मिलते ही अनूपपुर से लेकर रीवा तक पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ गई। सबसे पीड़ादायक बात यह है कि थाना प्रभारी पीसी कोल आगामी 31 जुलाई को पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले हैं और सेवानिवृत्ति से महज दो दिन पहले परिवार को यह गहरा आघात लगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार रीवा के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर युवक के साथ विवाद के बाद मारपीट की गई। इसी दौरान उस पर चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घटना के बाद घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों के प्रयास के बावजूद उसकी जान नहीं बच सकी। युवक की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। घटना की जानकारी पुलिस विभाग तक पहुंचने के बाद साथी पुलिसकर्मियों और अधिकारियों में भी शोक का माहौल निर्मित हो गया। मामले में सिविल लाइन थाना रीवा पुलिस द्वारा एफआईआर क्रमांक 0237/2026 दर्ज किए जाने की जानकारी सामने आई है। प्रकरण में भारतीय न्याय संहिता की धारा 296 (इ), 103 (1) एवं 3 (5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले में आशीष दहिया उर्फ मोंटू दहिया, लकी दहिया और अंकित दहिया को नामजद किया है। तीनों आरोपियों के संबंध में पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। घटना के पीछे की वास्तविक वजह और वारदात की परिस्थितियों को लेकर पुलिस विभिन्न पहलुओं पर पड़ताल कर रही है। पीसी कोल लंबे समय से पुलिस विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। राजेंद्रग्राम थाना प्रभारी के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे पीसी कोल के लिए सेवानिवृत्ति का समय नजदीक था। परिवार जिस समय उनके सेवाकाल के अंतिम दिनों को लेकर भविष्य की योजनाएं बना रहा था, उसी दौरान बेटे की हत्या की खबर ने सारी खुशियों को मातम में बदल दिया। पुलिस विभाग के लिए भी यह घटना बेहद दुखद है। साथी पुलिसकर्मियों और परिचितों ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत युवक की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। घटना के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस वारदात से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। हत्या के पीछे पुरानी रंजिश की वजह, हमले की पूरी परिस्थितियों और आरोपियों की भूमिका को लेकर पुलिस साक्ष्य जुटा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई जांच के आधार पर की जाएगी।

जमीन के नामांतरण पर उठे सवाल

अपीलीय राजस्व न्यायालय ने पूर्व आदेश किया निरस्त

जरही गांव की 0.202 हेक्टेयर भूमि का मामला विक्रय पत्र, मौके की स्थिति और राजस्व अभिलेखों को लेकर सामने आया विवाद

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

पुष्पराजगढ़ तहसील अंतर्गत ग्राम जरही में भूमि के नामांतरण को लेकर चल रहा विवाद अब नया मोड़ ले चुका है। विक्रय पत्र के आधार पर किए गए नामांतरण के विरुद्ध प्रस्तुत अपील पर सुनवाई के बाद अपीलीय राजस्व न्यायालय ने पूर्व में पारित नामांतरण आदेश को निरस्त करने के निर्देश दिए हैं। मामले में विक्रय पत्र, राजस्व अभिलेख, पटवारी प्रतिवेदन, भूमि की मौके पर स्थिति तथा निर्मित मकान एवं शौचालय को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर विचार किया गया। आदेश के बाद संबंधित भूमि के राजस्व अभिलेखों में पूर्व नामांतरण के आधार पर किए गए परिवर्तन को दुरुस्त करने की प्रक्रिया के निर्देश दिए गए हैं।

पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर मांगा गया था नामांतरण

उपलब्ध राजस्व दस्तावेजों के अनुसार ग्राम जरही, थाना राजेंद्रग्राम, तहसील पुष्पराजगढ़ निवासी सरोज कुमार पिता/पति रामलाल चन्द्रवंशी द्वारा ग्राम जरही स्थित भूमि के नामांतरण के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया था। आवेदन में आराजी खसरा नंबर 382/1/1, कुल रकबा 0.806 हेक्टेयर में से 0.202 हेक्टेयर भूमि का उल्लेख किया गया है। दस्तावेजों में दर्ज जानकारी के अनुसार उक्त भूमि का पंजीकृत विक्रय पत्र 18 सितंबर 2025 को निष्पादित हुआ था। विक्रय पत्र के आधार पर भूमि के नामांतरण के लिए राजस्व कार्यालय में आवेदन दिया गया। आवेदन के साथ पंजीकृत विक्रय पत्र की प्रति, संबंधित वर्ष के खसरा की प्रति सहित अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किए गए थे।

प्रकाशन के बाद नहीं मिली थी आपत्ति

नामांतरण प्रकरण दर्ज किए जाने के बाद नियमानुसार इश्तहार एवं प्रक्रिया पूरी की गई। दस्तावेज में उल्लेख है कि प्रकरण के प्रकाशन के बाद निर्धारित अवधि तक किसी प्रकार की आपत्ति प्राप्त नहीं हुई। इसके बाद पटवारी से मौके की स्थिति संबंधी प्रतिवेदन भी लिया गया। पटवारी प्रतिवेदन में संबंधित भूमि पर मकान एवं शौचालय निर्मित होने का उल्लेख किया गया था। राजस्व अभिलेख और विक्रय पत्र का परीक्षण करने के बाद तत्कालीन तहसील स्तर पर नामांतरण स्वीकृत किया गया था।

बाद में आदेश के खिलाफ दाखिल हुई अपील

नामांतरण आदेश पारित होने के बाद उसके विरुद्ध अपील प्रस्तुत की गई। अपील में भूमि के विक्रय, मौके की स्थिति तथा राजस्व अभिलेखों में दर्ज विवरण को लेकर आपत्तियां उठाई गईं। मामले में यह सवाल भी सामने आया कि जिस भूमि का विक्रय किया गया है, उसकी मौके पर वास्तविक स्थिति क्या है और विक्रय पत्र में दर्ज भूमि का विवरण राजस्व अभिलेख एवं मौके की स्थिति से कितना मेल खाता है। अपीलीय न्यायालय के समक्ष मूल प्रकरण का रिकॉर्ड मंगाकर उसका परीक्षण किया गया। इसमें नामांतरण आवेदन, पंजीकृत विक्रय पत्र, खसरा रिकॉर्ड, पटवारी प्रतिवेदन तथा मौके की स्थिति से संबंधित दस्तावेजों को देखा गया।

भूमि पर मकान और शौचालय निर्माण का भी उल्लेख

राजस्व दस्तावेजों में यह तथ्य भी सामने आया कि विवादित भूमि के हिस्से पर पक्का मकान एवं शौचालय निर्मित है। मौके पर निर्माण होने के बावजूद भूमि के विक्रय और नामांतरण को लेकर विवाद खड़ा हुआ। अपील में इस बिंदु को भी प्रमुखता से उठाया गया। दस्तावेजों में यह भी उल्लेख किया गया है कि नामांतरण की प्रक्रिया का उद्देश्य राजस्व अभिलेख को अद्यतन करना होता है। नामांतरण अपने आप में किसी व्यक्ति के स्वामित्व का अंतिम निर्धारण नहीं करता। स्वामित्व को लेकर वास्तविक विवाद होने पर उसका निर्णय सक्षम न्यायालय के माध्यम से किया जा सकता है।

आदेश में भविष्य की स्थिति को लेकर भी टिप्पणी

राजस्व आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि भविष्य में यह सामने आता है कि पंजीकृत विक्रय पत्र में भूमि के विवरण के संबंध में कोई त्रुटिपूर्ण तथ्य प्रस्तुत किया गया था अथवा किसी पक्ष द्वारा कोई महत्वपूर्ण तथ्य छिपाया गया था, तो निर्धारित प्रक्रिया के तहत नामांतरण को निरस्त करने की कार्रवाई की जा सकती है। ऐसी स्थिति में संबंधित पक्ष की जिम्मेदारी भी तय हो सकती है। इसी तरह आदेश में यह भी उल्लेखित है कि यदि किसी पक्ष द्वारा न्यायालय से संबंधित कोई आदेश प्राप्त किया जाता है तो उसकी जानकारी राजस्व कार्यालय को उपलब्ध कराना आवश्यक होगा।

अब राजस्व रिकॉर्ड में होगा सुधार

अपीलीय आदेश के बाद अब इस मामले में संबंधित राजस्व अभिलेखों को दुरुस्त करने की प्रक्रिया महत्वपूर्ण होगी। आदेश के अनुसार पूर्व में किए गए नामांतरण के आधार पर दर्ज प्रविष्टियों में आवश्यक सुधार किया जाना है। इससे संबंधित भूमि के रिकॉर्ड में फिर से स्थिति स्पष्ट होगी। मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि एक ओर पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण की प्रक्रिया पूरी हुई, वहीं दूसरी ओर अपील के दौरान भूमि की वास्तविक स्थिति, निर्माण और राजस्व रिकॉर्ड को लेकर सवाल उठाए गए। इसी के चलते मामले की दोबारा जांच और अभिलेखों के परीक्षण की स्थिति बनी।

स्वामित्व का अंतिम फैसला नहीं

यहां यह स्पष्ट करना जरूरी है कि नामांतरण आदेश निरस्त होने का अर्थ यह नहीं है कि अपीलीय राजस्व न्यायालय ने भूमि के स्वामित्व का अंतिम फैसला कर दिया है। राजस्व रिकॉर्ड में नाम दर्ज करना अथवा हटाना मुख्य रूप से अभिलेखीय प्रक्रिया है। यदि पक्षकारों के बीच भूमि के वास्तविक स्वामित्व, कब्जे या विक्रय की वैधता को लेकर विवाद है तो उसका अंतिम निराकरण सक्षम न्यायालय में ही हो सकता है। फिलहाल अपीलीय आदेश के बाद ग्राम जरही की उक्त भूमि का नामांतरण विवाद एक बार फिर चर्चा में है। अब संबंधित राजस्व अभिलेखों में आदेश के अनुरूप क्या संशोधन किया जाता है और आगे दोनों पक्षों की ओर से क्या कानूनी कदम उठाए जाते हैं, यह देखना महत्वपूर्ण होगा।

समाजसेवा और नेतागिरी का चोला जुए के फड़ों ने अमरकंटक की पवित्रता पर उठाए सवाल

पवन और अतुल के नामों की चर्चा से मचा हड़कंप

धार्मिक नगरी में कथित जुआ कारोबार को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मां नर्मदा की उद्गम स्थली, संतों की तपोभूमि और देश-दुनिया के श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र अमरकंटक आज अपनी धार्मिक पहचान के साथ-साथ कथित अवैध गतिविधियों को लेकर भी चर्चा में है। नगर में जुए के फड़ संचालित होने की चर्चाओं ने धार्मिक नगरी की पवित्रता और कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय स्तर पर इन गतिविधियों को लेकर पवन और अतुल नाम के दो लोगों की चर्चा भी सामने आ रही है। हालांकि, दोनों के जुआ संचालन में संलिप्त होने की कोई आधिकारिक पुष्टि अथवा पुलिस कार्रवाई की जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है।

समाजसेवा और नेतागिरी की आड़ में कौन चला रहा खेल?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस नगरी में देशभर से श्रद्धालु मां नर्मदा के दर्शन और आध्यात्मिक शांति के लिए पहुंचते हैं, वहां यदि जुए के फड़ संचालित होने की चर्चाएं लगातार सामने आ रही हैं तो इनके पीछे कौन लोग हैं? स्थानीय लोगों के बीच यह भी चर्चा है कि समाजसेवा और नेतागिरी का चोला ओढ़कर सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहने वाले कुछ लोगों की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए। यदि जांच में यह बात सही साबित होती है कि सामाजिक प्रतिष्ठा अथवा राजनीतिक पहुंच का इस्तेमाल किसी अवैध गतिविधि के संचालन या संरक्षण के लिए किया जा रहा है, तो यह मामला और भी गंभीर हो जाता है। ऐसे में पुलिस को किसी व्यक्ति के प्रभाव, पद अथवा पहचान की परवाह किए बिना निष्पक्ष जांच करनी चाहिए।

धार्मिक नगरी में जुए के फड़, जिम्मेदारों को भनक तक नहीं?

अमरकंटक में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु, साधु-संत और पर्यटक पहुंचते हैं। नगर में प्रमुख धार्मिक स्थलों के आसपास यदि जुए जैसी गतिविधियां संचालित होने की चर्चा है तो यह पुलिस की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़ा करता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जुए के फड़ कोई ऐसी गतिविधि नहीं हैं जिन्हें लंबे समय तक छिपाकर संचालित किया जा सके। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या जिम्मेदारों को इसकी जानकारी नहीं है, या फिर सूचना होने के बावजूद कार्रवाई का इंतजार किया जा रहा है?

पवन और अतुल के नामों की चर्चा, जांच से हो स्थिति स्पष्ट

जुए के कथित फड़ों को लेकर पवन और अतुल के नाम स्थानीय स्तर पर चर्चा में बताए जा रहे हैं। इसलिए अब पुलिस की जिम्मेदारी है कि वह पूरे मामले की निष्पक्षता से जांच करे और

यह स्पष्ट करे कि जुए के फड़ वास्तव में कहां संचालित हो रहे हैं, इनके संचालक कौन हैं और इनके पीछे किसी प्रभावशाली व्यक्ति का संरक्षण तो नहीं है। यदि आरोप गलत हैं तो संबंधित व्यक्तियों की स्थिति भी स्पष्ट होनी चाहिए, ताकि अफवाहों पर विराम लग सके। वहीं यदि जांच में अवैध गतिविधियां सामने आती हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।

अमरकंटक की छवि से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अमरकंटक केवल एक नगर नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है। यहां की पहचान मां नर्मदा, मंदिरों, आश्रमों, संत परंपरा और प्राकृतिक विरासत से है। ऐसे में जुआ, शराब अथवा अन्य असामाजिक गतिविधियों की मौजूदगी की चर्चा भी इस धार्मिक नगरी की छवि को नुकसान पहुंचाती है। लोगों ने पुलिस एवं प्रशासन से मांग की है कि अमरकंटक में संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जाए। जुए के कथित फड़ों की जांच कर वास्तविकता सामने लाई जाए और यदि किसी प्रकार की अवैध गतिविधि प्रमाणित होती है तो तत्काल कार्रवाई की जाए।

अब पुलिस की जांच पर टिकी नजर

अमरकंटक में जुए के कथित फड़ों को लेकर उठ रही चर्चाओं के बीच अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि पुलिस इस मामले को कितनी गंभीरता से लेती है। क्या चर्चाओं में सामने आ रहे नामों की जांच होगी? क्या कथित जुआ फड़ों के वास्तविक संचालकों तक पुलिस पहुंचेगी? और क्या समाजसेवा या नेतागिरी की पहचान रखने वाले किसी व्यक्ति की भूमिका सामने आती है तो उसके खिलाफ भी उसी तरह कार्रवाई होगी, जैसे किसी आम व्यक्ति के खिलाफ की जाती है? धार्मिक नगरी की पवित्रता बनाए रखना केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि यहां रहने वाले प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। मां नर्मदा की नगरी को जुए के अड्डों की पहचान से बचाने के लिए अब चर्चाओं पर नहीं, बल्कि जांच और कार्रवाई पर जोर देना जरूरी है।

न्यायालय :- प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड के प्रथम अति न्यायाधीश अनूपपुर, जिला अनूपपुर
Presiding Officer: श्रीमती विधि डगलिया
संलग्न नोटिस प्रकाशन हेतु (MJC SUC/06/2026)
योगेन्द्र शर्मा V/s संजय शर्मा वगै.
प्रेषिती - (1) आम जन अन्य जिससे संबंधित है।
Process Id- 08/2026
पेशी दिनांक :-21/08/2026
यह कि प्रार्थी योगेन्द्र शर्मा ने आपके विरूद्ध पेपर प्रकाशन के लिए बाद सस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नही होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीक 27-07-2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया।
मुद्रा
श्रीमति विधि डगलिया
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड अनूपपुर
अतिरिक्त व्यवहार व्याधीय वरिष्ठ खण्ड अनूपपुर
जिला अनूपपुर (म.प्र.),